15 दिन बाद राजू को... 8 | लोक सभा चुनाव से पहले यूपी में... 3 | सीएम नीतीश का भाजपा पर हमला... 7

सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 195 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 25 अगस्त, 2022

मूल्य ₹ 3/-

यदि आप हमेशा गुस्सा या शिकायत करते हैं तो लोगों के पास आपके लिए समय नहीं रहेगा।
-स्टीफन हॉकिंग

बिलकिस के गुनहगारों की रिहाई पर गुजरात सरकार को 'सुप्रीम' नोटिस

दोषियों को पार्टी बनाने का आदेश

» दोषियों को रिहा करने पर देश भर में हुआ था विरोध, याचिका पर दो हफ्ते बाद होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिलकिस बानो केस के दोषियों की रिहाई पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने गुजरात सरकार को नोटिस जारी किया है, साथ ही सभी दोषियों को भी पार्टी बनाने का आदेश दिया है। इस मामले की अगली सुनवाई दो हफ्ते बाद होगी।

याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने तीखी टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि हमें यह देखना होगा कि दोषियों की रिहाई के फैसले में दिमाग का इस्तेमाल किया गया या नहीं। इस अदालत ने दोषियों की रिहाई का आदेश नहीं दिया था। सरकार को सिर्फ अपनी रिहाई नीति के आधार पर विचार करने को कहा था। कोर्ट ने इस मामले में रिहा 11 दोषियों को भी पार्टी बनाने को कहा है। शीर्ष अदालत के रुख से साफ है कि बिलकिस बानो के रेप के दोषियों की रिहाई पर वह कोई सख्त फैसला ले सकता है। केस की सुनवाई के दौरान दोषियों के वकील ने अदालत से गुजारिश की थी कि पहले उनके तर्कों को सुना जाए कि यह याचिका सुनवाई योग्य है या नहीं लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। बिलकिस बानो के दोषियों की रिहाई के खिलाफ सीपीएम की नेता सुभाषिनी अली, पत्रकार रेवती लाल और एक्टिविस्ट रूप रेखा रानी ने अर्जी दाखिल की थी। गुजरात सरकार ने बीते सप्ताह बिलकिस बानो से रेप के 11 दोषियों को रिहा कर दिया था। इस पर गुजरात समेत देश भर में सवाल उठे और विरोध प्रदर्शन किए गए थे।

शीर्ष अदालत ने मांगा जवाब, कहा, देखना होगा रिहाई में दिमाग का प्रयोग किया गया या नहीं

सुनाई गयी थी उम्रकैद की सजा

मुंबई की विशेष सीबीआई अदालत ने 21 जनवरी, 2008 को हत्या और सामूहिक दुष्कर्म के मामले में सभी 11 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। बाद में बॉम्बे हाईकोर्ट ने उनकी सजा को बरकरार रखा। सभी दोषी 15 साल से अधिक समय तक जेल में रहे, जिसके बाद उनमें से एक ने अपनी समयपूर्व रिहाई के लिए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। इस पर शीर्ष अदालत ने गुजरात सरकार को उसकी सजा की छूट के मुद्दे को 1992 की नीति के अनुसार उसकी दोषसिद्धि की तारीख के आधार पर देखने का निर्देश दिया था। इसके बाद गुजरात सरकार ने एक समिति का गठन किया था और सभी दोषियों को जेल से समय से पहले रिहा करने का आदेश जारी किया था।

एक औरत को दिए गए न्याय का कैसे हो सकता है अंतः बिलकिस बानो

बिलकिस बानो ने कहा कि जब मैंने सुना कि 11 अपराधी जिन्होंने मेरे परिवार और मेरे जीवन को तबाह कर दिया और मेरी तीन साल की बेटी को मुझसे छीन लिया, वे मुक्त हो गए तो मैं पूरी तरह से नि:शब्द हो गई थी। मैं अभी भी स्तब्ध हूं। आज मैं बस इतना ही कह सकती हूं कि किसी भी महिला के लिए न्याय इस तरह कैसे खत्म हो सकता है? मुझे अपने देश की सर्वोच्च अदालतों पर भरोसा था। मुझे सिस्टम पर भरोसा था और मैं धीरे-धीरे अपने आघात के साथ जीना सीख रही थी। इन दोषियों की रिहाई ने मेरी शांति छीन ली है और न्याय में मेरे विश्वास को हिला दिया है। मेरा दुख और मेरा डगमगाता विश्वास सिर्फ मेरे लिए नहीं बल्कि हर उस महिला के लिए है जो अदालतों में न्याय के लिए संघर्ष कर रही है।

क्या है पूरा मामला

गोधरा कांड के बाद गुजरात में दंगे भड़क गए थे और इसी दंगे के दौरान 3 मार्च 2002 को दाहोद जिले के लिमखेड़ा तालुका के रंधिकपुर गांव में भीड़ ने बिलकिस बानो के परिवार पर हमला किया था। बिलकिस बानो, जो उस समय पांच महीने की गर्भवती थी, के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया और उसके परिवार के सात सदस्यों की दंगाइयों ने निर्मम हत्या कर दी थी।

विधायकों संग राजघाट पहुंचे केजरीवाल बोले, फेल हो गया ऑपरेशन लोटस

» आवास पर विधायकों के साथ की बैठक, भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आबकारी नीति में कथित अनियमितता मामले में सीबीआई छापे को लेकर भाजपा और आम आदमी पार्टी में मचे घमासान के बीच आज दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने आवास पर पार्टी विधायकों संग बैठक की। बैठक के बाद केजरीवाल के नेतृत्व में आप विधायक महात्मा गांधी के स्मारक राजघाट पहुंचे और कहा कि दिल्ली में भाजपा का ऑपरेशन लोटस फेल हो गया।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी के सभी विधायक हमारे साथ हैं। ऑपरेशन लोटस फेल हो गया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ऑपरेशन लोटस के जरिए उनकी सरकार गिराने की कोशिश की गई। भाजपा ने 40 विधायकों को तोड़ने की कोशिश की है, 20-20 करोड़ रुपए का ऑफर किया गया। भाजपा ने 800 करोड़ रुपए तैयार रखे हैं । उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह पैसा पीएम केयर्स से आया है या दोस्तों ने दिया है।

यूपी भाजपा के नए अध्यक्ष बने भूपेन्द्र सिंह

» शीर्ष नेतृत्व ने लगायी मुहर योगी सरकार में हैं पंचायतीराज मंत्री

» राममंदिर आंदोलन के दौरान जुड़े थे भाजपा से

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आखिरकार भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने आज उत्तर प्रदेश में पार्टी अध्यक्ष की नियुक्ति कर दी। योगी सरकार में पंचायतीराज मंत्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी को भाजपा उत्तर प्रदेश का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आज भूपेन्द्र सिंह चौधरी को भाजपा उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किया है। भूपेन्द्र सिंह चौधरी को भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने बुधवार को दिल्ली बुलाया था।

इसके बाद से ही उनके इस पद पर नियुक्त होने की अटकलें लगने लगी थीं। भूपेंद्र सिंह चौधरी का जन्म मुरादाबाद की कांठ तहसील के गांव महेंद्री सिकंदरपुर में तीन जून, 1967 को किसान परिवार में हुआ था। राम मंदिर आंदोलन के दौरान वे भाजपा से जुड़े। इस दौरान कई बार जेल भी गए। 2016 में उन्हें विधान परिषद भेजा गया। छह जुलाई, 2022 को कार्यकाल पूरा होने पर वे दोबारा विधान परिषद में निर्वाचित हुए। 2017 के चुनाव में उनके नेतृत्व में पार्टी ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शानदार प्रदर्शन किया था। योगी सरकार बनने पर उन्हें पंचायतीराज राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार बनाया गया। 2019 में वे इसी विभाग के कैबिनेट मंत्री बने। मौजूदा सरकार में भी वह पंचायती राज मंत्री हैं। भूपेंद्र सिंह चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने बड़ा दांव चला है। इसके जरिए पार्टी ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जाट वोट बैंक को साधने की कोशिश की है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त करने से लोक सभा चुनाव में सपा-रालोद गठबंधन से संभावित नुकसान को कम किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री का अपने ही जिले के अपराधों पर नियंत्रण नहीं : अखिलेश

» प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर सीएम योगी को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कानून व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दावों पर सवाल उठाया है। साथ ही कानून व्यवस्था को लेकर अखिलेश ने सीएम योगी को घेरा है। अखिलेश ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था में सुधार और बेटियों की सुरक्षा के दावे किए गए थे लेकिन हकीकत में सभी दावे निराधार पाए गए हैं। विडंबना यह है कि अपराध मुक्त प्रदेश का दावा करने वाले मुख्यमंत्री अपने ही जिले में हो रहे अपराधों को नियंत्रित नहीं कर पा रहे हैं।

उन्होंने गोरखपुर में घटी कुछ हालिया घटनाओं का जिक्र भी किया। सवाल उठाया कि अपराधी तत्वों पर नियंत्रण कौन करेगा जब सत्ता से ही उन्हें संरक्षण मिल रहा हो। सपा प्रमुख ने कहा कि केवल कानून व्यवस्था ही नहीं हर क्षेत्र में भाजपा सरकार में गिरावट नजर आती है। गोरखपुर का बीआरडी मेडिकल कालेज खुद बीमार हो गया है। पिछले करीब डेढ़ साल से मेडिकल कालेज में लगी तीन लिफ्ट बंद पड़ी हैं। बीमार लोग यहां की अव्यवस्थाओं से परेशान हैं। कहा, उत्तर प्रदेश में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों और महिलाओं पर अत्याचार की सभी हदें पार हो गई है। उधर, पूर्व जेल में बंद सपा विधायक रमाकांत यादव से मिलने के बाद भाजपा और बसपा अखिलेश यादव पर हमलावर हो गए हैं। मायावती ने सपा को अपराधियों को संरक्षण देने वाली पार्टी बताया। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने भी अखिलेश पर हमला बोलते हुए कहा कि सपा की अपराधियों-गुडों से दोस्ती है। ब्रजेश पाठक ने ट्वीट कर तंज कसा कि सपा की अपराधियों-गुंडों से दोस्ती फिर उजागर हुई है। अखिलेश यादव अपने वास्तविक चरित्र व सपा की मूल प्रवृत्ति की विवशता के कारण अपराधियों से दोस्ताना नहीं छोड़ पा रहे। रामकांत यादव से जेल में उनके द्वारा की गई मुलाकात यह साबित करता है कि वह अपराधियों के प्रति अपना मोह नहीं छोड़ पा रहे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अखिलेश अपराधियों के बल पर ही राजनीति करना चाहते हैं। प्रदेश की जनता पहले ही गुंडा, माफिया व अपराधियों की पार्टी को नकार चुकी है।

तेजी से हो रहा अमेठी का विकास : केशव मौर्य

» अमेठी को एक परिवार अपनी जागीर समझता था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को गांधी परिवार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि अमेठी को एक परिवार अपनी जागीर समझता था लेकिन कभी भी इस जिले के विकास के लिए उसने नहीं सोचा और उसने अमेठी को धोखा दिया है। मीडिया से बात करते हुए मौर्य ने कहा कि जब से केंद्र और प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है यहां तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश और देश का तेजी से विकास हुआ है। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि अमेठी के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी।

पत्रकारों द्वारा ज्ञानवापी मामले में औरंगजेब की संपत्ति के उठे सवाल के बारे में पूछे जाने पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है। मैं इतना ही कह सकता हूं कि यह सच है कि मुगल शासन काल में औरंगजेब ने मंदिर तोड़कर लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाया था। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने राम मंदिर के मामले में न्यायालय के फैसले का सम्मान किया, उसी तरह हम लोगों को वाराणसी के लिए भी इंतजार करना चाहिए। पत्रकारों ने जब उपमुख्यमंत्री से पूछा कि आपको पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने की खबर है तो उन्होंने कहा कि पार्टी मेरी मां है। मां से बढ़कर कोई नहीं हो सकता है। सरकार से बड़ा संगठन है। संगठन का जो भी आदेश होगा उसका मैं सम्मान करते हुए पालन करूंगा।

ट्रांसफर पोस्टिंग की वजह से भाजपा के विधायक नाराज : नारद राय

» भाजपा नेता ने नारद राय के बयान पर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बलिया। जिले से सियासी बयानबाजी का जो दौर शुरू हुआ है वह अब आपसी वाद विवाद और तंज तक आ गया है। बिहार और महाराष्ट्र के अचानक बदले समीकरणों को देखकर सपा नेताओं के सुर भी बदलने लगे हैं। ताजा मामला बलिया जिले में सपा नेता नारद राय का का है। नारद राय ने बीते दिनों चंदौली जिले में सपा का कार्यकर्ताओं के कार्यक्रम में सदस्यता अभियान के दौरान प्रदेश में भाजपा सरकार के गिरने की बात कहकर सियासी आरोपों प्रत्यारोपों का दौर शुरू किया था वह अब भी जारी है।

उनके बयान पर भाजपा नेता केतकी सिंह ने पलटवार किया है। नारद राय चंदौली जिले में सपा के सदस्यता अभियान के दौरान दावा किया था कि अखिलेश यादव अगर चाहें तो मात्र 15 दिन में प्रदेश में योगी सरकार को गिरा सकते हैं। इसके पक्ष में उन्होंने दावा किया था कि प्रदेश में ट्रांसफर पोस्टिंग की वजह से भाजपा के डेढ़ सौ विधायक नाराज चल रहे हैं और सपा के पक्ष में हैं। ऐसे में अखिलेश यादव अगर चाह लें तो 15 दिन में भाजपा सरकार गिर जाएगी। इसके बाद से ही उनका बयान पूर्वांचल के सियासी हलकों में तैर रहा है। इस पर बांसडीह विधान सभा क्षेत्र की भाजपा विधायक केतकी सिंह ने सपा सरकार में मंत्री रहे नारद राय के बयान पर हमला बोला है।

सरकार आठ प्रमुख तीर्थों और 11 क्रांतिकारियों के नाम पर चलाएगी बसें

» चौरी-चौरा और काकोरी बस सेवाएं भी होंगी शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार प्रदेश के आठ तीर्थों और 11 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के नाम पर बस सेवाएं शुरू करने जा रही है। उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग की ओर से इस संबंध में संस्कृति विभाग को प्रस्तावित नामों की सूची सौंप दी गई है। इसमें काशी विश्वनाथ, अयोध्या धाम और गोकुल धाम सहित आठ प्रमुख तीर्थों के नाम पर बस सेवाएं शुरू करने की बात कही गई है। इसके अलावा अमर बलिदानी मंगल पांडेय, चंद्रशेखर आजाद, अशफाक उल्ला खां सहित 11 क्रांतिकारियों के नाम पर बसें संचालित होंगी। आजादी के अमृत काल में प्रदेश सरकार जिन 11 अमर बलिदानी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सम्मान में बस सेवाएं शुरू करने जा रही है, उसमें क्रांतिधरा मेरठ से लेकर बागी बलिया तक के अमर वीर बलिदानियों के नाम पर बसों के नाम रखे जाने हैं।

1857 की क्रांति के नायक मेरठ के अमर बलिदानी कदम सिंह, मथुरा के देवी सिंह, कानपुर के तात्या टोपे, नाना साहेब, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई और बलिया के मंगल पांडेय के नाम तो हैं हीं। इसके अलावा चंद्रशेखर आजाद, राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, भगत सिंह और बलिया के शेर कहे जाने वाले चित्तू पांडेय का नाम भी शामिल है। परिवहन विभाग की ओर से गोरखपुर तक चलने वाली बस सेवाओं को चौरी-चौरा सेवा और काकोरी-लखनऊ तक जाने वाली बसों को काकोरी सेवा का नाम देने का प्रस्ताव है। मथुरा से लेकर मिर्जापुर तक के प्रमुख तीर्थों के नाम पर बसें संचालित करने की बात कही गयी है। इसमें वाराणसी के लिये काशी विश्वनाथ सेवा, प्रयागराज के लिए संगमतीर्थ सेवा, मिर्जापुर के लिए विंध्यवासिनी सेवा, अयोध्या के लिए अयोध्या धाम सेवा, मथुरा के लिये गोकुल धाम सेवा, वृंदावन धाम सेवा और गोवर्धन धाम सेवा तथा गोरखपुर के लिये गोरखधाम सेवा की शुरुआत करने की तैयारी है।

भक्ति पथ और राम पथ के कार्यों को जल्द पूरा करें : सीएम

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अयोध्या जिले में चल रहे धमार्थ कार्यों की समीक्षा बैठक की। उन्होंने काशी विश्वनाथ धाम की तर्ज पर बन रहे श्रीराम जन्मभूमि कारिडोर की भी समीक्षा की। सीएम ने अधिकारियों को विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। सीएम ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि ड्रेनेज के कार्य में तेजी लाएं और बिजली के तारों को यथाशीघ्र अंडरग्राउंड करें। सीएम ने लता मंगेशकर चौक के कार्य में तेजी लाने और अयोध्या को सोलर सिटी बनाने के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्य करने के निर्देश दिए। सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि तक जाने वाले तीनों मार्गों के भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास के कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करें। सहादतगंज नया घाट मार्ग से सुग्रीव किला होते हुए श्रीराम जन्मभूमि मंदिर तक जाने वाले जन्मभूमि पथ के कार्य को मार्च तक पूरा करें। सीएम ने कहा कि फैजाबाद-अयोध्या मुख्य मार्ग से हुनमान गढ़ी होते हुए जन्मभूमि तक जाने वाले भक्ति पथ को अक्तूबर तक और सहादतगंज से नयाघाट जाने वाले राम पथ तक के कार्यों को दिसंबर 2023 तक पूरा करने के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी अयोध्या में बन रही चार पार्किंग के कार्यों की भी समीक्षा की।

राज्य सरकार बताए सरकारी वकीलों की नियुक्ति की प्रक्रिया : हाईकोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने हाईकोर्ट में गत एक अगस्त को की गई सरकारी अधिवक्ताओं की नियुक्ति में दखल देने से इनकार कर दिया है। इससे पहले याचिकाकर्ताओं ने स्वयं ही कहा कि वे हालिया सूची के खिलाफ नहीं है। कोर्ट ने आगे किसी प्रकार की सूची जारी करने पर रोक लगाने की याचिकाकर्ताओं की मांग ठुकरा दी है। यह आदेश जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय व जस्टिस श्री प्रकाश सिंह की पीठ ने अधिवक्ता रमा शंकर तिवारी आदि की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर पारित किया। याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि सरकारी अधिवक्ताओं की नियुक्ति में पारदर्शिता होनी चाहिए। कोर्ट ने सुनवाई के बाद राज्य सरकार से कहा कि वह छह हफ्ते में बताए कि सरकारी वकीलों की नियुक्ति की क्या प्रक्रिया है। कोर्ट प्रमुख सचिव विधि को इस केस में अपना व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया है।

लोक सभा चुनाव से पहले यूपी में नया प्रयोग करने की तैयारी में कांग्रेस, बनाया प्लान

- प्रदेश अध्यक्ष के साथ बना सकती है 6 कार्यवाहक अध्यक्ष
- जनाधार मजबूत करने के लिए बांटे जाएंगे उत्तरदायित्व
- पुराने कोर वोटरों और जातीय समीकरण को साधने की भी कवायद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में करारी शिकस्त मिलने के बाद कांग्रेस ने अब लोक सभा चुनाव की तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रदेश में खोए जनाधार को पाने के लिए पार्टी नेतृत्व एक बार फिर नया प्रयोग करने की तैयारी कर रही है। इसके तहत प्रदेश अध्यक्ष के साथ आधा दर्जन कार्यवाहक अध्यक्षों के नियुक्ति का प्लान तैयार किया गया है। वहीं नियुक्ति के जरिए पार्टी जातीय एवं क्षेत्रीय समीकरण भी साधेगी।

विधान सभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने इस्तीफा दे दिया था लेकिन इस्तीफे के बाद से कई महीने बीतने के बावजूद कांग्रेस अभी तक प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव नहीं कर सकी है। सूत्रों के मुताबिक अध्यक्ष में देरी के पीछे कांग्रेस की नयी रणनीति है। मिशन-2024 को देखते हुए कांग्रेस ने सियासी और जातीय समीकरणों को ध्यान में रखकर इस बार एक विशेष रणनीति बनाई है जिसके तहत करीब 5 माह बाद कांग्रेस जल्द ही यूपी में अपने नये प्रदेश अध्यक्ष के साथ 6 कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्षों के भी नामों का भी ऐलान कर सकती है। रणनीति के मुताबिक कांग्रेस मिशन-2024 से पहले देश के सबसे बड़े सूबे और 80 लोक सभा सीट वाले उत्तर प्रदेश में एक मजबूत संगठन खड़ा करने की कवायद में जुट गई है। इस दौरान कांग्रेस पार्टी को प्रदेश के हर जिले, ब्लॉक और गांव के साथ हर घर तक मजबूत करने के लिये एक नये फॉर्मूले पर काम कर रही है। जिसके तहत कांग्रेस जहां पहले ही यूपी में अपने संगठन को मजबूत करने के लिये अवध, पूर्वांचल, प्रयाग, पश्चिम, ब्रज और बुंदेलखंड जैसे 6 जोन में बांट चुकी है तो वहीं अब कांग्रेस जल्द ही प्रदेश के सियासी और जातीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए अपने नये प्रदेश अध्यक्ष के साथ हर एक जोन में एक कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष के नामों का भी ऐलान कर सकती है।

जारी है नामों पर मंथन

सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस हाईकमान उत्तर प्रदेश में इन दिनो एक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और 6 कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष बनाने के लिये कई बड़े नेताओं के नाम पर लगातार मंथन कर रहा है लेकिन इस दौरान यूपी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्य सभा सदस्य प्रमोद तिवारी और छत्तीसगढ़ के प्रभारी पीएल पुनिया जैसे दिग्गज नेता कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी लेने से बचते नजर आ रहे है। इन नेताओं ने कांग्रेस हाईकमान से भी ये जिम्मेदारी लेने से मना कर दिया है।

कई हैं रेस में

ऐसे में प्रमोद तिवारी और पुनिया के बाद अब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पद की रेस में इस वक्त वाराणसी के पूर्व सांसद राजेश मिश्रा और फैजाबाद-अयोध्या के पूर्व सांसद निर्मल खत्री सबसे आगे नजर आ रहे हैं। वहीं कांग्रेस के मौजूदा प्रदेश उपाध्यक्ष और महाराजगंज के फरेंदा से विधायक वीरेन्द्र चौधरी, पूर्व मंत्री नकुल दुबे, पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, पूर्व विधायक अजय राय, पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी, डाली शर्मा और योगेश दीक्षित को कांग्रेस का कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष बनाया जा सकता है।

भविष्य के लिए गुणवत्ता आधारित कार्यकर्ता तैयार करेगी भाजपा

2014 के बाद से एकजुट होने की दिशा में किया गया काम

- कार्यकर्ताओं को संगठन विस्तार करने की जरूरत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा भविष्य की राजनीतिक अपेक्षाओं के लिए गुणवत्ता आधारित कार्यकर्ता तैयार करेगी। उत्तर प्रदेश मुख्यालय में प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल की अवध, कानपुर-बुंदेलखंड, गोरखपुर और काशी क्षेत्र की परिचायत्मक बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री बंसल ने प्रदेश में संगठन को शीर्ष पर पहुंचाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दिया।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह की मौजूदगी में आयोजित बैठक में सुनील बंसल ने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को संगठन विस्तार करने, अपने कार्य को स्थायी रूप देने और और कार्य में गुणात्मक वृद्धि लाने का संकल्प लेकर काम करना है। नेतृत्व की ओर से सौंपे गए कार्य को पूरे समर्पण से करना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहले भी भाजपा का संगठन था लेकिन 2014 से सभी को एकजुट कर दिशा देने का काम किया। उन्होंने कहा कि जब कार्यकर्ताओं को दिशा मिली तो संगठन की ताकत और कार्यकर्ताओं की सक्रियता से पार्टी ने 2014, 2017, 2019 और 2022 में चुनाव जीते। उन्होंने कहा कि राजनीतिक, सामाजिक क्षेत्र में परिवर्तन स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के बदलने के बाद भी विचार के लिए काम करना कार्यकर्ताओं को पहले से सिखाया गया है। धर्मपाल के नेतृत्व में प्रदेश संगठन आगे के चरणों में प्रवेश करने वाला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश संगठनात्मक काम करने के लिए देश की सबसे बडी प्रयोगशाला है।

2024 में सभी सीटों पर चुनाव जीतेंगे

उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम के बल पर 2014 से भाजपा की विजय यात्रा लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि सुनील बंसल ने एक मजबूत संगठनात्मक ढांचा उत्तर प्रदेश में खड़ा किया है। नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल उत्तर प्रदेश में लंबे समय तक कार्य कर चुके हैं। उनके लंबे अनुभव का लाभ लेते हुए 2024 के लोक सभा चुनाव में भाजपा उत्तर प्रदेश में सभी सीटों पर विजयी होगी।

धर्मपाल के अनुभवों का लाभ मिलेगा

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि पार्टी के प्रति निष्ठावान और समर्पित कार्यकर्ताओं की टीम बूथ स्तर तक खड़ी की है। प्रदेश के संगठन महामंत्री धर्मपाल भी उत्तर प्रदेश में विभिन्न संगठनात्मक दायित्वों का निर्वहन करते हुए पूरे प्रदेश के बारे में अच्छे से जानते हैं। उनके अनुभवों का लाभ निश्चित रूप से लोकसभा के चुनाव में पार्टी को मिलेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 2024 के लोक सभा चुनाव में पार्टी प्रदेश में सभी 80 सीटों पर विजयी होगी।

धर्मपाल ने दिया 80 सीटों पर चुनाव जीतने का लक्ष्य

प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने कहा कि भाजपा पूरे प्रदेश में सर्वस्पर्शी, सर्वसमावेशी, सर्वव्यापी और सर्वग्राही दल है। उन्होंने कहा कि 2024 में सभी 80 सीटों पर चुनाव जीतने का लक्ष्य है, इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए जिन बूथों और क्षेत्रों में पार्टी कमजोर है वहां मेहनत कर पार्टी को मजबूत करना है। उन्होंने प्रदेश में संगठनात्मक विस्तार में राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रदेश महामंत्री संगठन का दायित्व मिला है उस पर पूरी तरह खरा उतरने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के बल पर संगठन का विस्तार और अनथक यात्रा जारी रहेगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध का सच

सरकार के तमाम दावों के बावजूद उत्तर प्रदेश में प्रतिबंधित प्लास्टिक उत्पादों का धड़ल्ले से प्रयोग हो रहा है। चार साल बाद भी हालात में सुधार नहीं हुए हैं। हैरानी की बात यह है कि सरकार के साथ प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भी इस मामले में गंभीर नहीं दिख रहा है। इसके कारण न केवल प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है बल्कि कई अन्य समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। सवाल यह है कि प्रतिबंधित प्लास्टिक का प्रयोग बंद क्यों नहीं हो रहा है? ये दुकानदारों के पास कहां से पहुंच रही है? नगर निगम और नगरपालिकाएं क्या कर रही हैं? जुर्माने का प्रावधान होने के बावजूद दुकानदार इसका प्रयोग बंद क्यों नहीं कर रहे हैं? प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड इस मामले में लापरवाही क्यों बरत रहा है? क्या कर्मचारियों की मिलीभगत से यह धंधा चल रहा है ? उत्पादक कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है?

प्रदेश में 15 जुलाई 2018 को 50 माइक्रॉन से कम के बने प्लास्टिक के कैरीबैग्स व अन्य वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाया गया था। इसके बाद एक जुलाई 2022 से सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया। इसमें प्लास्टिक वाले ईयर बड्स, स्टिक, झंडे, गुब्बारे, कैंडी, आइसक्रीम स्टिक, सजावटी पॉलीस्टाइरिन, थर्मोकॉल, प्लेट, गिलास, व निमंत्रण कार्ड समेत 100 माइक्रॉन से कम के प्लास्टिक उत्पाद शामिल हैं। सरकार ने इन उत्पादों का प्रयोग करने वालों के खिलाफ भारी भरकम जुर्माने का प्रावधान भी किया है। नगर निगम व नगरपालिकाओं को इसके खिलाफ अभियान चलाने की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। बावजूद इसके अकेले लखनऊ में रोजाना कई टन सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पादों का प्रयोग हो रहा है। लखनऊ में नगर निगम ने कुछ दिन इसके खिलाफ अभियान चलाया लेकिन बाद में यह ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। यही हाल अन्य जिलों का है। हालत यह है कि दुकानदारों के खिलाफ तो अभियान चलाया गया लेकिन उन उद्योगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने से अधिकारी बचते रहे जहां इनका धड़ल्ले से उत्पादन हो रहा है। वहीं प्रदेश के कई जिलों में अन्य राज्यों से इसकी सप्लाई की जा रही है। इससे प्रदेश में प्लास्टिक कचरा बढ़ता जा रहा है। इस कचरे में आग लगा दी जाती है जिससे वातावरण में प्रदूषण बढ़ रहा है। ये उत्पाद न केवल नाली और नालों को जाम कर देते हैं बल्कि वर्षा जल को जमीन के अंदर जाने से रोक देते हैं। इससे भूगर्भ जलस्तर पर विपरीत असर पड़ रहा है। यदि सरकार इसे रोकना चाहती है तो उसे सबसे पहले इसके विकल्प की व्यवस्था करनी होगी, लोगों को जागरूक करना होगा। साथ ही उत्पादक इकाइयों पर शिकंजा भी कसना होगा।

“ प्रदेश में प्लास्टिक कचरा बढ़ता जा रहा है। इस कचरे में आग लगा दी जाती है जिससे वातावरण में प्रदूषण बढ़ता है। ये उत्पाद न केवल नाली और नालों को जाम कर देते हैं बल्कि वर्षा जल को जमीन के अंदर जाने से रोक देते हैं। इससे भूगर्भ जलस्तर पर विपरीत असर पड़ रहा है। यदि सरकार इसे रोकना चाहती है तो उसे सबसे पहले इसके विकल्प की व्यवस्था करनी होगी, लोगों को जागरूक करना होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नवनिर्माण का मंत्र आत्मनिर्भरता

अश्विनी महाजन

भारत के नीति-निर्माताओं के लिए आत्मनिर्भरता कोई नया शब्द नहीं है। आजादी के बाद जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में योजनागत विकास के नाम पर जो नीति बनी उसे भी आत्मनिर्भर भारत कहा गया था, लेकिन जो कार्यनीति अपनायी गयी, जिसे अर्थशास्त्री महालनोबिस कार्यनीति के नाम से पुकारते हैं, उसमें भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बड़े और मूलभूत उद्योगों की स्थापना, बड़े बांधों के निर्माण समेत देश को एक मजबूत औद्योगिक ढांचा देने की बात कही गयी थी। इसे आत्मनिर्भरता की कार्यनीति कहा गया, पर प्रारंभिक रूप से इसके कारण विदेशों पर निर्भरता इतनी बढ़ गयी कि 1965 के भारत-पाक युद्ध के बाद हमें तीन वर्षों तक योजना की छुट्टी करनी पड़ी क्योंकि योजना को कार्यान्वित करने के लिए जरूरी आर्थिक संसाधन देश के पास नहीं थे।

देश में औद्योगीकरण की जिम्मेदारी सार्वजनिक क्षेत्र को सौंपी गयी और कहा गया कि विकास का एकमात्र यही सही रास्ता है तथा निजी क्षेत्र या निजी उद्यमिता के माध्यम से यह इसलिए नहीं हो सकता क्योंकि निजी क्षेत्र के पास न तो संसाधन हैं, न ही जोखिम लेने की क्षमता व इच्छाशक्ति और न ही दीर्घकालीन दृष्टि। धीरे-धीरे अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र में सार्वजनिक क्षेत्र का बोलबाला हो गया और निजी उद्यम दोयम दर्जे पर आ गया। कुछ वस्तुओं के उत्पादन के लिए निजी उद्यम को अनुमति मिली लेकिन उसमें भी लाइसेंस व्यवस्था लागू कर दी गयी। इनके लिए कच्चे माल हेतु कोटा व्यवस्था लागू हुई। अधिक उत्पादन करने पर दंड का प्रावधान भी किया गया। स्वाभाविक तौर पर सरकारी क्षेत्र के दबदबे और निजी क्षेत्र का दम घोटती आर्थिक नीतियों से देश में जो भी उत्पादन होता था, वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक नहीं होता था। इसका कारण था कि निजी क्षेत्र के लिए प्रौद्योगिकी विकास, नये मॉडल बनाने और कुशलता बढ़ाने के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं था। ऐसे में संभव था कि लोग अच्छे उत्पाद सस्ते दामों पर विदेशों से आयात कर लें। तब निजी और सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा उत्पादित वस्तुओं के लिए बाजार बाधित हो जाता। इस संभावना को समाप्त करने के लिए विदेशी वस्तुओं के आयात पर कई तरह की रोक जरूरी थी। आयात नियंत्रित होने से देश में विदेशी मुद्रा की मांग भी नियंत्रित हो गयी। 1964 तक डॉलर की विनिमय दर केवल 4.16 रुपये प्रति डॉलर थी और आज यह लगभग 79 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया है। ऐसी आर्थिक नीति से आत्मनिर्भरता तो प्राप्त हो गयी लेकिन प्रतिबंधात्मक नीतियों के कारण सीमित विकास, अकुशल और निम्न-गुणवत्ता वाला उत्पादन, निम्न तकनीक, विकास व राष्ट्र निर्माण में लोगों की भागीदारी का अभाव रहा। देश उदारीकरण की नीतियों के चलते निजी उद्यमों के लिए द्वार खुल गये लेकिन विदेशों से आयात को भी खोल दिया गया। आयात पर लगे प्रतिबंधों को हटाने के साथ शुल्कों को भी घटा दिया गया। आयात वृद्धि के साथ विदेशों पर निर्भरता बढ़ गयी। 2001 में चीन द्वारा विश्व व्यापार संगठन में सदस्यता लेने के बाद सस्ते चीनी उत्पादों की बाढ़-सी आ गयी और देश में उद्योगों का पतन होना शुरू हुआ। ऐसे में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2020 में आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को देश के समक्ष प्रस्तुत किया तो एक ओर उसका स्वागत करते हुए यह माना गया कि भूमंडलीकरण की आंधी में जो उद्योग नष्ट हो गये, उन्हें पुनर्स्थापित करने का अवसर मिल पायेगा, पर आलोचकों ने यह कह कर उसे खारिज करने का प्रयास किया कि यह नेहरूवाद की पुनरावृत्ति हो जायेगी लेकिन सरकार द्वारा उठाये गये कदमों से यह संकेत मिलता है कि 2020 की आत्मनिर्भरता की संकल्पना नेहरू की की संकल्पना से बिल्कुल अलग है। पीएम मोदी द्वारा घोषित आत्मनिर्भर भारत की नीति का सबसे अहम आयाम यह है कि उस संकल्पना में उन वस्तुओं का उत्पादन बढ़ाना था, जिसके लिए देश विदेशों पर ज्यादा निर्भर करता था। नयी संकल्पना के तहत ऐसे 14 उद्योगों

की सूची बनी, जिन्हें पुनर्स्थापित करने की जरूरत थी। इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स, चिकित्सा उपकरण, दवाएं, टेलीकॉम, खाद्य उत्पाद, एसी, एलईडी, उच्च क्षमता सोलर पीवी मॉड्यूल, ऑटोमोबाइल और ऑटो उपकरण, वस्त्र उत्पाद आदि शामिल हैं। इस नीति के दूसरे आयाम के तहत चिह्नित क्षेत्रों में उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन यानी प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव देने की योजना बनी तथा 13 उद्योगों को अगले कुछ वर्षों में 1.97 लाख करोड़ देने का लक्ष्य रखा गया। इन वस्तुओं का आयात रोकने हेतु शुल्क में वृद्धि भी की जा रही है। इन प्रयासों से जीडीपी में दो से चार प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। गांवों की आत्मनिर्भरता भी जरूरी है। कृषि पशुपालन समेत स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देकर गांवों की आमदनी भी बढ़ायी जा सकती है।

क्षमादान और सत्ता-समाज की खामोशी पर प्रश्न

विश्वनाथ सचदेव

पंद्रह अगस्त के दिन जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भावुक होकर लालकिले से नारी-अस्मिता की रक्षा की बात कर रहे थे, प्रधानमंत्री के गृह राज्य गुजरात में नारी-सम्मान से संबंधित ऐसा कुछ घट रहा था, जिससे मनुष्यता शर्मसार होती है। आज से बीस साल पहले उस दिन भी मनुष्यता शर्मसार हुई थी जब एक गर्भवती महिला के साथ बारह दरिंदों ने सामूहिक बलात्कार किया था, उसकी तीन वर्ष की बेटी को मार दिया था, और उसके परिवार के सात व्यक्तियों को मौत के घाट उतार दिया था। मैं बिल्किस बानो की बात कर रहा हूं। उसके साथ नृशंस व्यवहार करने वालों को अपराधी पाया गया और कानून के अनुसार सजा भी दी गयी। 14 साल की सजा भुगतने के बाद उन सब अपराधियों को सरकारी निर्णय के अनुसार जेल से रिहा कर दिया गया। उनका स्वागत-अभिनंदन किया गया।

गुजरात सरकार की इस कार्रवाई पर देश शर्मसार महसूस करता पर ऐसा कुछ हुआ नहीं। न किसी को शर्म आयी न किसी को गुस्सा आया। हां, सरकार की इस कार्रवाई पर थोड़ी-बहुत सुगबुगाहट तो हुई पर यह बात अपने आप में कम शर्मनाक नहीं है कि इस क्षमा-दान और अपराधियों के साथ नायकों जैसा व्यवहार होने का विरोध करने वाली आवाजें कब उठीं, और कब कहीं खो गयीं, पता ही नहीं चला। ऐसा नहीं है कि अपराधियों को पहले कभी क्षमा-दान नहीं मिला। ऐसी व्यवस्था है कि जेल में अपराधियों के व्यवहार, अपराध की गंभीरता आदि को देखकर चौदह साल की सजा भुगतने के बाद उन्हें क्षमा-दान मिल सकता है, पर न्यायालय ने यह भी कहा है कि बलात्कारियों और जघन्य हत्या करने वालों को इस व्यवस्था के अंतर्गत सजा में रियायत नहीं मिलनी चाहिए। संभव है, इस मामले में न्यायालय अपराधियों को फिर से जेल भेज दे, पर यहां बात समाज के उस व्यवहार की होनी चाहिए, उस लगभग चुप्पी की होनी चाहिए जो वस्तुतः बहरा कर देने वाली है। अपराधियों को क्षमा-दान का समाचार जब बिल्किस बानो को मिला तो एक बार फिर वह खतरनाक डर के उसी माहौल से घिर गयी थी जो बाईस साल पहले उसने अपने गांव के पास के खेतों में झेला था। वे सबके सब अपराधी अब फिर से मुक्त थे जिन्हें एक-एक करके उसने अदालत में पहचाना था। मुकदमा चलने के दौरान न जाने कितनी बार बिल्किस बानो और उनके पति को मुकदमा वापस लेने के लिए धमकियां मिली थीं। वे सारी धमकियां उन्हें अब फिर से याद आने लगी थीं। अब फिर बिल्किस का परिवार एक खतरनाक डर में जीने के लिए बाध्य है। कैसे जियेगा, पता नहीं। यहां हमारे समाज के व्यवहार का सवाल भी उठता है। इस संदर्भ में जो थोड़ी-बहुत सुगबुगाहट हुई उसमें ऐसे स्वरों का उठना भी कम डरावना नहीं है जो एक तरह से अपराधियों के पक्ष में जाते दिखते हैं। बीस साल पहले बिल्किस बानो के साथ जो हुआ, उसकी भर्त्सना तो सब करते हैं पर जब इस भर्त्सना के साथ 'लेकिन' लगा दिया जाता है तो कहीं न कहीं नीयत में खोट दिखाई देने लगती है। 'लेकिन' लगाकर कुछ लोगों को यह कहना भी जरूरी लगता है कि बिल्किस के साथ जो घटा उसकी पृष्ठभूमि में कहीं गोधरा में रेलगाड़ी में आग लगाये जाने की घटना भी है।

गोधरा कांड भी किसी दृष्टि से क्षम्य नहीं कहा जा सकता। रेलगाड़ी के उस डिब्बे में जो कुछ हुआ, वह भी उतना ही जघन्य अपराध था जितना बिल्किस के साथ हुआ अत्याचार। उसके अपराधियों को भी उपयुक्त सजा मिलनी ही चाहिए। लेकिन गोधरा कांड के नाम पर बिल्किस बानो पर हुए अत्याचार की गंभीरता और वीभत्सता को कम समझने की मानसिकता भी किसी अपराध से कम नहीं है। होना तो यह चाहिए था कि बिल्किस बानो के परिवार के साथ वहशियाना हरकत करने वालों की माफी और उनके स्वागत-अभिनंदन की तीव्रता से भर्त्सना होती। जिन ग्यारह व्यक्तियों को क्षमा-दान मिला है, वे घोषित अपराधी हैं। न्यायालय ने उन्हें इस अपराध की सज़ा भी दी है। शर्म आनी चाहिए थी उन्हें जिन्होंने अपराधियों का स्वागत किया। यह कृत्य भी अपने आप में मूल अपराध से कम नहीं है लेकिन इसकी सजा शायद अदालत नहीं दे सकती। यह काम जागृत और विवेकशील समाज को करना होता है। सामाजिक स्तर पर यह आवाज उठनी ही चाहिए कि ऐसा अपराध करने वालों की, चुप रहकर गलत को देखते रहने वालों की भी, सामाजिक स्तर पर भर्त्सना होनी चाहिए। होना तो यह भी चाहिए था कि लालकिले से नारी-शक्ति को रेखांकित करने वाले प्रधानमंत्री इस पूरे कांड का संज्ञान लेते और गुजरात सरकार और देश की इस मामले में चुप्पी पर टिप्पणी करते। यह लालकिले से किये गये ऐलान का अगला तार्किक कदम होता। इसी तार्किकता का तकाजा यह भी था कि बिल्किस कांड में क्षमा-दान पर लगे सवालिया निशानों के उत्तरों की तलाश की कोई कोशिश होती भी दिखाई देती। पर, दुर्भाग्य से, ऐसा कुछ होता नहीं दिख रहा।सवाल किसी बिल्किस के अपराधियों को सजा देने का ही नहीं है, सवाल ऐसा वातावरण बनाने का भी है जिसमें ऐसा कोई अपराध करने वालों को डर लगे। किसी बिल्किस को डर-डर कर न जीना पड़े। बिल्किस के अपराधियों ने ऐसा कोई संकेत नहीं दिया है कि उन्हें अपने किये का कोई पछतावा है और उन अपराधियों का स्वागत-अभिनंदन करने वाले भी यही संकेत दे रहे हैं कि वे उनके अपराधों को क्षम्य मानते हैं। समाज की चुप्पी इस आपराधिक प्रवृत्ति का समर्थन करती दिख रही है। यह सब कुछ डरावना है। यह बदलना चाहिए। कौन बदलेगा? और कैसे?

घर और ऑफिस को स्मार्टली करें मैनेज

थोड़ी फ्लैक्सिबिलिटी लाएं

आप चाहे जितना भी प्लान कर के चल लें, कुछ चीजें अचानक से आ जाती हैं। इसलिए आपको मेंटली खुद को ऐसी परिस्थितियों के लिए तैयार रखना होगा। वहीं आपको अपनी लाइफ को बैलेंस करना भी सीखना होगा। दिन में थोड़ा-सा समय अपने लिए भी निकालें जो आपको रिचार्ज कर सके।

खाना पहले पका कर रखें

वर्किंग मॉम होने की वजह से आपको घर आने पर सभी के लिए खाना बनाने में दिक्कत होती होगी। पूरा दिन काम करने के बाद घर पर आकर भी बच्चे को संभालने के साथ खाना बनाना काफी मुश्किल होता है। इस काम को आसान करने के लिए आप हफ्ते में एक दिन की छुट्टी लें और पूरे वीक का डाइट प्लान तैयार कर लें। इससे आपका यह सोचने का टाइम बचेगा कि आपको कब और किस दिन क्या पकाना है।

बैकअप रखना है

हर वर्किंग मॉम को अपने पास 3 भरोसेमंद बैकअप रखने चाहिए जो एमेरजेंसी में आपके काम आ सकें। ये आपका कोई दोस्ता हो सकता है, परिवार का सदस्य या फिर पड़ोसी हो सकता है। तीन लोगों को आपको इसलिए रखना है कि अगर कोई एक जरूरत पड़ने पर बीमार हो गया या नहीं आ पाया तो आपके पास दूसरे विकल्प होंगे।

मां बनने के बाद ऑफिस और करियर को संभालना मुश्किल हो जाता है। अब आपका मन तो घर पर बच्चे में रहता है लेकिन ऑफिस की जिम्मेदारी आपको खींचकर ले जाती है। कुछ महिलाएं अपनी मर्जी से जॉब करती हैं तो कुछ घर की जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए काम करती हैं। वजह चाहे जो भी हो, दोनों ही सूरत में मां बनने के बाद जॉब करना एक स्ट्रेसफुल काम होता है। अगर आप भी नौकरी करती हैं और बच्चे को भी पाल रही हैं, तो आप बखूबी समझती होंगी कि एकसाथ इन दो भूमिकाओं को निभाना कितना मुश्किल और थकानभरा होता है। हालांकि, अगर आप कुछ चीजों को मैनेज कर के चलें तो काफी हद तक आपको ये दोनों रोल निभाने में मदद मिलेगी। यहां हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं जिनकी मदद से आप मां बनने के रोल और करियर, दोनों को संभाल सकती हैं।

अन्य मांओं से बात करें

अपने जैसी और भी मांओं से बात करे जो शायद कहीं ना कहीं आपके जैसे हालातों से ही गुजर रही हैं। इनके कुछ टिप्स भी आप काम आ सकते हैं और आपकी कुछ आदतों या ट्रिक्स से इन्हें मदद मिल सकती है।

कहां इंवेस्ट करें

पूरे हफ्ते का प्लान कर के चलें कि कब आपकी मीटिंग है, कब क्या काम है और आपके बच्चे का दिनभर का क्या शेड्यूल है। इससे आपको आइडिया हो जाएगा कि आपको कब मदद की जरूरत पड़ सकती है।

पति का साथ

अगर आपके पति जिम्मेदारियों को बांटने में आपका साथ निभाते हैं, तो इससे अच्छा आपके लिए और कुछ नहीं हो सकता है। उनकी मदद से आपका काम काफी आसान हो सकता है।

हंसना मना है

बंटू : वेटर, ऐसी चाय पिलाओ जिसे पीकर मन झूम उठे और बदन नाचने लगे वेटर : सर हमारे यहां भैंस का दूध आता है, नागिन का नहीं संजू : पंडित जी, किसी सुंदर लड़की का हाथ पाने के लिए क्या करूं? पंडित जी: किसी मॉल के बाहर मेहंदी लगाने का काम शुरू कर दे।

गर्मी का कहर शुरू।।एक औरत अकेले कब्रिस्तान मे एक कब्र पर बैठी थी।एक राहगीर ने पूछा : डर नहीं लगता ? औरत - क्यों ? इसमें डरने की क्या बात है ।.. अंदर गर्मी लग रही थी तो बाहर आ गई। राहगीर अब कोमा में है।

पापा: बेटा तुम्हारे रिजल्ट का क्या हुआ? पप्पु: पापा 80 फीसदी आये है। पापा: पर मार्कशीट पर 40 फीसदी लिखा है? पप्पू: बाकी के 40 फीसदी आधारकार्ड लिंक होनेपर सीधे अकाऊंट में आएंगे।

बेटा पहली बार एक लड़की को लेकर घर में आया , पिता: कौन है ये लड़की ? बेटा : ये मेरी गर्लफ्रेंड है ,, पिता : दूसरे दिन , लड़का किसी दूसरी लड़की के साथ, पिता(गुस्से में): कौन है ये लड़की ? बेटा: रिश्ता वही, आइटम नई।

पिता: बेटा, एक जमाना था जब मैं 10 रुपए लेकर बाजार जाता था और किराना, सब्जी, दूध सब ले आता था। बेटा: पिताजी अब जमाना बदल गया है। आजकल हर दुकान पर सीसीटीवी कैमरे लगे रहते हैं।?

कहानी | ब्राह्मण का सपना

एक नगर में कोई कंजूस ब्राह्मण रहता था। उसने भिक्षा से प्राप्त सत्तुओं में से थोड़े से खाकर शेष से एक घड़ा भर लिया था। उस घड़े को उसने रस्सी से बांधकर खूंटी पर लटका दिया और उसके नीचे पास ही खटिया डालकर उसपर लेटे-लेटे विचित्र सपने लेने लगा, और कल्पना के हवाई घोड़े दौड़ाने लगा। उसने सोचा कि जब देश में अकाल पड़ेगा तो इन सत्तुओं का मूल्य 100 रुपये हो जायगा। उन सौ रुपयों से मैं दो बकरियां लूँगा। छः महीने में उन दो बकरियों से कई बकरियें बन जायेंगी। उन्हें बेचकर एक गाय लूंगा। गौओं के बाद भैंसे लूंगा और फिर घोड़े ले लूंगा। घोड़ों को महंगे दामों में बेचकर मेरे पास बहुत सा सोना हो जायगा। सोना बेचकर मैं बहुत बड़ घर बनाऊंगा। मेरी सम्पत्ति को देखकर कोई भी ब्राह्मण अपनी सुरुपवती कन्या का विवाह मुझसे कर देगा। वह मेरी पत्नी बनेगी। उससे जो पुत्र होगा उसका नाम मैं सोमशर्मा रखूंगा। जब वह घुटनों के बल चलना सीख जायेगा तो मैं पुस्तक लेकर घुड़शाला के पीछे की दीवार पर बैठा हुआ उसकी बाल-लीलायें देखूंगा। उसके बाद सोमशर्मा मुझे देखकर मां की गोद से उतरेगा और मेरी ओर आयेगा तो मैं उसकी मां को क्रोध से कहूंगा-अपने बच्चे को संभाल। वह गृह-कार्य में व्यग्र होगी, इसलिये मेरा वचन न सुन सकेगी। तब मैं उठकर उसे पैर की ठोकर से मारूंगा। यह सोचते ही उसका पैर ठोकर मारने के लिये ऊपर उठा। वह ठोकर सत्तु-भरे घड़े को लगी। घड़ा चकनाचूर हो गया। कंजूस ब्राह्मण के स्वप्न भी साथ ही चकनाचूर हो गये। कथा सुनकर सुवर्णसिद्धि ने कहा, ठीक कहते हो, लोभवश लोग इसी प्रकार दुःख पाते हैं। जो व्यक्ति परिणाम पर बिना विचार किए जल्दबाजी में कोई काम करता है, उसे राजा चंद्र की तरह ही दुखी होना पड़ता है। चक्रधर ने पूछा, वह कैसे? सुवर्णसिद्धि बताने लगा-

(सीख: शेखचिल्ली न बनो)

5 अंतर खोजें

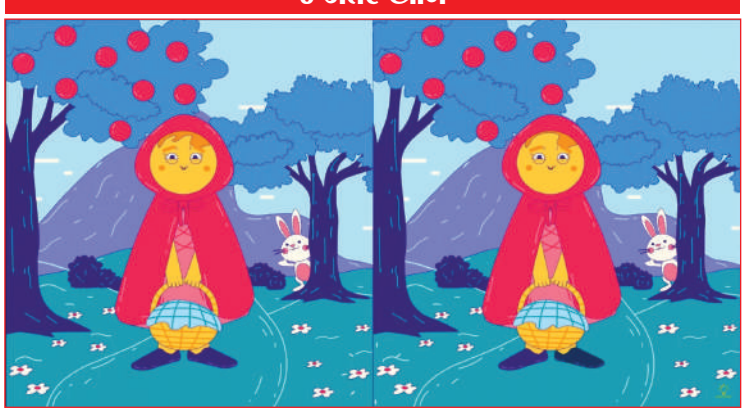

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आपको कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। समय पर ढंग से चीजों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करना होगा। जल्दबाजी में निर्णय न लें और जोखिम से बचें।

वृषभ

आज आप परिवार के साथ बेहतर टाइम स्पेंड करेंगे। इस राशि के जो लोग मार्केटिंग से जुड़े हुए हैं, उन्हें आज तरक्की का कोई मौका हाथ लग सकता है। लिहाजा ध्यान रखें ऐसा अगर कोई मौका आए तो हाथ ना जानें दें।

मिथुन

आज आपको रोजगार के क्षेत्र में सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। इनके घर में सुख शांति का माहौल बना रहेगा। ख्याली पुलाव पकाने में वक्त जाया न करें। सार्थक कामों में लगाने के लिए अपनी ऊर्जा बचाकर रखें।

कर्क

आपको जल्द ही घर में किसी नए सदस्य के आने के बारे में अच्छा समाचार सुनने को मिलेगा। आपके जीवनसाथी के साथ आपके रिश्तों में सुधार आएगा। वह आपका भरपूर सहयोग करेंगे।

सिंह

आज आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। जिसके कारण सभी कार्य आपकी इच्छानुसार पूरे नहीं होंगे। लवमेट के लिए आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज किसी मित्र की सहायता आप कर सकते हैं।

कन्या

रचनात्मक कामों से जुड़े लोगों के लिए बेहतरीन दिन है, क्योंकि उन्हें वह शोहरत और पहचान मिलेगी जिसकी उन्हें लम्बे समय से तलाश थी। आप कोई शुभ कार्य करने के लिए प्रेरित होंगे।

तुला

दिन मिलाजुला परिणामों वाला रहेगा, लेकिन व्यापक स्तर पर चीजें आपके पक्ष में होंगी। कार्य स्थल पर बाधाओं और कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। खर्च बढ़ेंगे।

वृश्चिक

आज अगर थोड़ी सी मेहनत आप करेंगे तो आपको बड़ा मुनाफा मिल सकता है। समाज में आपका मान-सम्मान भी बढ़ेगा और अब तक रुके हुए तमाम काम परिवार वालों की मदद से पूरे हो जाएंगे।

धनु

विद्यार्थियों को अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता है। धार्मिक कार्यक्रमों में जाने का मौका मिलेगा ऐसे कार्यक्रमों में शामिल होने का मौका मिलेगा जहां लोग आपको सुनेंगे।

मकर

अपने आप को साबित करने के लिए आज आपको कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता हो सकती है। इस अवधि के दौरान कड़ी मेहनत और विनम्र स्वभाव ही सफलता की कुंजी है।

कुम्भ

इस राशि के जो छात्रों के लिए आज का दिन अनुकूल है। सफलता आपके कदम चूमेगी। वहीं इस राशि वालों को आज संतान की ओर से कोई शुभ समाचार मिलेगा जिससे घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

मीन

आज आपकी जिम्मेदारियां बढ़ने वाली हैं। इसके लिए तैयार हो जाएं। अपने परिवार की भलाई के लिए मेहनत करें। आय के साधनों में वृद्धि होगी। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

कृष्णा अभिषेक हुए कपिल शर्मा शो से अलग

कपिल शर्मा शो का नया सीजन आ रहा है पर अब इस शो में सपना के रोल में नजर आने वाले कृष्णा अभिषेक ने इस शो को छोड़ दिया है। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने एग्रीमेंट इश्यू की वजह से शो को छोड़ दिया है। इस शो की शुरुआत 2016 से हुई थी। तभी से कृष्णा के अलावा उपासना सिंह, अली असगर, सुनील ग्रोवर और सुगंधा मिश्रा जैसे कॉमेडियन, इस शो का लंबे समय तक हिस्सा रहे पर कुछ वजहों से उन्होंने इस शो को छोड़ दिया। कपिल और सुनील के बीच फ्लाइट में हुई लड़ाई असल में पहले चंदन के साथ शुरू हुई थी। दरअसल टीम के लागों ने कपिल के बिना ही डिनर शुरू कर दिया था। तभी नशे की हालत में कपिल वहां पहुंच कर लोगों पर गुस्सा करने लगे कि उनके बिना कैसे सब लोग खाना खा रहे हैं। इसी बीच कपिल ने चंदन को गालियां देनी शुरू कर दी थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कपिल ने सुनील को झड़प के दौरान थप्पड़ मार दिया और उन पर चप्पल भी फेंक दी थी। इस हादसे के बाद ही सुनील ने शो को छोड़ दिया था। हालांकि बाद में चंदन ने कपिल के साथ सुलह कर ली और वो शो में चंदू चाय वाला के रोल में नजर आते हैं। अली असगर शो में दादी समेत कई किरदार में नजर आते थे लेकिन वो 2017 से इस शो हिस्सा नही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने शो को क्रिएटिव डिफरेन्सेज की वजह से छोड़ दिया था। उन्होंने बताया था कि उनके रोल में कुछ नया नहीं जोड़ा जा रहा था। उन्हें लग रहा था कि काम रुक सा गया था और उसमें सुधार करने की जरुरत थी। अली असगर शो में दादी समेत कई किरदार में नजर आते थे लेकिन वो 2017 से इस शो हिस्सा नही हैं।

महारानी से उत्साहित हुमा कुरैशी बोली

डायरेक्टर मुझे अब लीड रोल ऑफर कर रहे हैं

जिन क्रिटिक ने मेरी एक्टिंग की तारीफ की है, उन्हें मेरा धन्यवाद। मैं उनकी बात से कहीं न कहीं सहमत हूं।
-हुमा

हुमा कुरैशी स्टारर वेब सीरीज महारानी का दूसरा सीजन 25 अगस्त को रिलीज होगा। इस सीरीज में अपने रोल और एक्सपीरिएंस को लेकर हुमा कुरैशी ने कहा कि महारानी को लेकर उम्मीद भी नहीं की थी, उससे ज्यादा प्यार मिला। हां, इतना पता था कि हम अच्छा शो बना रहे हैं। इसका लेखन अच्छा है, सबने पूरी मेहनत और पूरे जोश से काम किया है। मुझे आज भी याद है, जब शो स्ट्रीम हुआ, तब मैंने एक्साइटमेंट में चार-पांच एपिसोड देख लिए थे। सुबह उठकर सबसे पहले पूरा सीजन खत्म किया। मुझे लगा कि हमने अच्छा काम किया है, शो अच्छा बन गया है। दो-तीन मैसेज भी देखे, जो लोगों के आए थे। लीड रोल के ऑफर भी आए। हुमा बोली कि ओटीटी ऐसा माध्यम है कि लोग माउथ पब्लिसिटी का इंतजार करते हैं। शुरू-शुरू में रिव्यू उतने अच्छे नहीं आए थे। बाद में मेरे भाई ने बताया कि लोग तुम्हारी एक्टिंग की तारीफ कर रहे हैं। तब मुझे थोड़ा सुकून मिला। जिन क्रिटिक ने मेरी एक्टिंग की तारीफ की है, उन्हें मेरा धन्यवाद। मैं उनकी बात से कहीं न कहीं सहमत हूं। महारानी ने डेफिनेटली मेरी लाइफ बदल दी है। लोग जिस तरह से मुझे बतौर एक्टर लेते हैं, उस धारणा को डेफिनेटली चेंज किया है। उसके बाद मैं जितना काम अब कर रही हूं, वह सब कहीं न कहीं स्ट्रॉन्ग फीमेल सेंट्रिक कैरेक्टर होते हैं और ऑडियंस मुझे उस रूप में स्वीकार करने के लिए तैयार भी है। फिल्म मेकर्स भी ऐसे रोल देने में रुचि दिखा रहे हैं। खुश हूं कि महारानी में मैंने जो काम किया है, उसे लोगों ने इतना सराह रहे हैं। प्रेशर तो नहीं लेती हूं, पर टाइटल रोल निभाने की जिम्मेदारी का अहसास तो जरूर है। यह बहुत प्यारी जिम्मेदारी है। मेरा यही सोचना है कि हर एक्टर चाहता है कि दर्शक उसका काम पसंद करें।

बॉलीवुड | मसाला

जॉली एलएलबी 3 में आमने सामने होंगे दोनों जॉली

जॉली एलएलबी और जॉली एलएलबी 2 की सक्सेस के बाद अब फिल्म के मेकर्स इसका तीसरा पार्ट लाने की प्लानिंग कर रहे हैं। पिंकविला के मुताबिक फिल्म के तीसरे पार्ट में पहले पार्ट के जॉली अरशद वारसी और दूसरे पार्ट के जॉली अक्षय कुमार को साथ लाने की तैयारी की जा रही है। इसके अलावा ये भी दावा किया या जा रहा है कि दोनों पार्ट में जज की भूमिका निभाने वाले सौरभ शुक्ला तीसरे पार्ट में भी वापसी करेंगे। फिल्म से जुड़े सूत्र ने कहा सुभाष कपूर, अक्षय कुमार और अरशद वारसी काफी समय से जॉली एलएलबी 3 पर काम कर रहे हैं। मेकर्स ने जॉली एलएलबी 3 के लिए एक ऐसा प्लॉट तैयार किया है, जिसमें दोनों जॉली को साथ आना होगा। यह कोर्ट में डिबेट के लिए एक बहुत ही मजाकिया सब्जेक्ट होने वाला है। सूत्र बताते हैं कि मेकर्स इस फिल्म के जरिए बड़े पर्दे पर कोर्ट रूम ड्रामा का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इस फिल्म में ड्रामा, थ्रिल से लेकर कॉमेडी तक कई प्रकार के जॉनर होंगे। फिलहाल स्क्रिप्ट को फिनिशिंग टच दिया जा रहा है और इसके बाद टीम प्री-प्रोडक्शन स्टेज पर जाएगी। इस फिल्म को 2023 में रिलीज करने की तैयारी की जा रही है। इसके अलावा ये भी कहा जा रहा है कि इस फिल्म में अक्षय और अरशद दोनों का लगभग बराबरी का किरदार होगा। फिल्म में वो एक-दूसरे को टक्कर देते नजर आएंगे। बता दें अक्षय और अरशद इससे पहले जानी दुश्मन एक अनोखी कहानी (2002) और बच्चन पांडे (2022) में साथ काम कर चुके हैं।

अजब-गजब | यूपी के इस गांव की खूब हो रही चर्चा

यूपी के इस गांव में 40 से अधिक है दामादों का घर

भारत में कई ऐतिहासिक जगहें हैं जिनके बारे में जानकर हैरानी होती है। भारत में कई ऐसे गांव और शहर हैं जो अपनी अनोखी परंपराओं के लिए जाने जाते हैं। अब इन दिनों उत्तर प्रदेश का एक गांव सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। इस गांव के बारे में जानकर आप हैरत में पड़ जाएंगे। दरअसल उत्तर प्रदेश के इस गांव में 40 से भी अधिक दामादों का घर है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस गांव का नाम भी बदलकर अब दामादनपुरवा कर दिया गया है। यह अनोखा गांव उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में अकबरपुर तहसील क्षेत्र में स्थित है जहां करीब 70 घर हैं और 500 लोग रहते हैं। सबसे हैरान करने वाली और अनोखी बात यह है कि यहां पर 70 में से 40 घर सिर्फ दामादों के हैं। आइए जानते हैं उत्तर प्रदेश में स्थित इस अनोखे गांव के बारे में कुछ रोचक तथ्य।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, बुजुर्गों का कहना है कि साल 1970 से ही इस गांव में दामाद के रहने का सिलसिला चलता आ रहा है। उन्होंने बताया कि साल 1970 में गांव की राजरानी की शादी हुई थी जिसके बाद उनके पति सांवरे कठेरिया ससुराल में आकर रहने लगे।

जानिए कैसे हुई शुरुआत

बताया जाता है कि सांवरे कठेरिया के पास ज्यादा जमीन नहीं थी, तो उनको गांव के करीब जमीन दी गई। राजरानी की शादी के बाद गांव की कई बेटियों की शादी की गई और उनके पति भी यहां पर जमीन लेकर घर बना लिए और रहने लगे। तब से ही यह परंपरा धीरे-धीरे बढ़ती गई। बताया जाता है कि साल 2005 तक 40 घर इस गांव में दामादों के थे। यहां पर रहने वाले सबसे उम्रदराज दामाद 78 साल के हैं।

अभी भी गांव में बस रहे लोग

आपको जानकर हैरानी होगी कि अभी भी यह परंपरा चल रही है। इस गांव में तीसरी पीढ़ी के दामाद भी आकर बस रहे हैं। इस गांव का नाम सुनते ही लोगों की हंसी छूट जाती है। आखिर हंसी छूटे भी क्यों नहीं, क्योंकि गांव का नाम ही ऐसा है।

आखिर क्यों नहीं होते कीबोर्ड के बटन एक सीरीज में

आपने देखा होगा कि कीबोर्ड पर अक्षर U A के बाद B नहीं बल्कि S,D,F लिखे होते हैं। जब कि सामान्यतः अक्षरों की सीरीज में A के बाद B,C,D आता है। इसके पीछे यह नहीं कि कीबोर्ड बनाने वालों को अक्षर नहीं मालूम थे बल्कि टाइपराइटर से जुड़ी एक रीजनिंग छुपी है। 1868 में लैथम शोल्स ने पहला टाइपराइटर बनाया था। इस टाइपराइट में उन्होंने वर्णमाला के अक्षरों को क्रम में ही लिखा था। हालांकि इसे बनाने के कुछ दिन बाद उन्हें पता चला कि क्रम को सीधा रखने से बटन जाम हो रहे हैं। इसके अलावा एक सीरीज में होने से बटनों को प्रेस यानी कि दबाने में भी परेशानी आ रही थी। इतना ही नही अक्षरों के पास-पास होने और बार-बार उपयोग की वजह से उनकी पिन आपस में उलझ जाती थीं। जिससे टाइपिंग बिल्कुल सही नहीं हो पाती थी। काफी गलतियां होती थीं। हालांकि इसके बाद 1873 में शोल्स ने एक नए तरीके से बटनों को टाइपराइटर में लगाया। इसमें उन्होंने सबसे पहले ज्यादा प्रयोग होने वाले अक्षरों का चयन किया। इसके बाद उन्हें उंगलियों की पहुंच के हिसाब से क्रम में लगाया। इसमें उन्होंने E और I को पहली लाइन में और Z और X को नीचे वाली लाइन में सबसे कोने में सेट किया। जिससे अक्षरों वाली पहली लाइन Q,W,E,R,T,Y को क्वेर्टी नाम दिया। हालांकि बाद में यह मॉडल शोल्स से 'रेमिंग्टन एंड संस' ने खरीदा तो इसे इसी नाम से जाना जाने लगा। इसके बाद 1874 में रेमिंग्टन ने कई और कीबोर्ड भी बाजार में उतारे। इसके बाद टाइपराइटर के बाद जब कंप्यूटर चलन में आए तो उनमें भी उंगलियों की सहूलियत और अक्षरों के इस क्रम को अपनाने का प्रयास हुआ है।

सीएम नीतीश का भाजपा पर हमला कहा, दिल्ली से सिर्फ हो रहा प्रचार

» लोगों की घट रही आय एकजुट होकर लड़ेंगे तो जीतेंगे लोक सभा चुनाव

» राजद और जदयू मिलकर करेंगे बिहार का विकास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में नयी बनी महागठबंधन की नीतीश कुमार सरकार ने बुधवार को विधान सभा में बहुमत साबित किया। 243 सीटों वाली विधान सभा में सरकार के पक्ष में 160 वोट पड़े जबकि बहुमत के लिए 122 वोट की जरूरत थी। इस दौरान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भाजपा को जमकर घेरा।

उन्होंने कहा कि 2020 में हमने कहा था कि ज्यादा सीट आप जीते हैं तो आपका मुख्यमंत्री बनना चाहिए लेकिन मुझ पर दबाव दिया गया कि आप ही संभालिए। हमारी पार्टी के लोगों ने तय किया तो हम जहां पहले थे, वहां चले गए। अब हमारा संकल्प है कि हम मिलकर बिहार का विकास करेंगे। हमें देश भर की पार्टियों के लोगों ने फोन कर कहा कि आपने सही निर्णय लिया है। हमने कहा कि सब मिल कर लड़ेंगे तो 2024 भी जीतेंगे। उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली से कुछ काम नहीं हो रहा सिर्फ प्रचार हो रहा है, लोगों की आय घट रही है। उन्होंने कहा कि सिर्फ 2020 के विधान सभा चुनाव की बात मत करो, अतीत के चुनावों को याद करें जब जद (यू) ने भाजपा से अधिक सीटें जीती थीं। पटना विश्वविद्यालय को केंद्रीय दर्जा देने का मेरा अनुरोध स्वीकार नहीं किया गया। अब केंद्र अपने काम का बखान करने के लिए ऐसा करेंगे। सोशल मीडिया और प्रेस पर उनका नियंत्रण है। सब सिर्फ केंद्र के काम की चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने (राजद और जदयू) बिहार के विकास के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया है। मैंने सभी विपक्ष दलों के लोगों से 2024 के लोक सभा चुनाव में एक साथ लड़ने का आग्रह किया है।

सीएम हेमंत सोरेन का करीबी प्रेम प्रकाश गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में अवैध खनन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सीएम हेमंत सोरेन के करीबी प्रेम प्रकाश को गिरफ्तार कर लिया है। प्रेम प्रकाश मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनके पारिवारिक मित्र अमित अग्रवाल का करीबी सहयोगी है।

ईडी ने अवैध खनन और जबरन वसूली के मामले में सीएम हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा से पूछताछ के बाद कल कई ठिकानों पर छापेमारी की थी। ईडी ने अवैध खनन मामले में सीएम हेमंत सोरेन के करीबी पंकज मिश्रा, उसके सहयोगी बच्चू यादव को गिरफ्तार किया था। आरोप है कि मिश्रा व अन्य ने खनन माफियाओं से मोटी रकम लेकर उन्हें लाभ पहुंचाया और इस आपराधिक आय को गलत तरह से ठिकाने लगाया। ईडी ने जुलाई के छापों में 50 बैंक खातों में जमा 13.32 करोड़ रुपये जब्त किए थे।

राहुल बने अध्यक्ष इसके लिए करूंगा कोशिश : गहलोत

» राजस्थान के सीएम ने कांग्रेस अध्यक्ष बनाए जाने की अटकलों को किया खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कांग्रेस अध्यक्ष बनाए जाने की अटकलों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि कोई नहीं जानता कि क्या फैसला होगा। गहलोत की कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद चर्चा थी कि उन्हें पार्टी का अध्यक्ष बनाया जा सकता है। हालांकि, गहलोत ने इन अटकलों को खारिज कर दिया है।

इंवेस्ट राजस्थान 2022 में गहलोत ने कहा, मैं चाहता हूं कि राहुल गांधी कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभालें। इसके लिए मैं आखिरी क्षण तक कोशिश करूंगा। वह अध्यक्ष थे और उन्हें ही पार्टी का अध्यक्ष होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी ने मुझे अभी दो जिम्मेदारियां सौंपी हैं। एक गुजरात में सीनियर ऑब्जर्वर के रूप में और दूसरी राजस्थान के मुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेदारी दी गई है। यह दोनों काम मैं पूरी ईमानदारी के साथ करता रहूंगा। प्रदेश में कांग्रेस सरकार वापस रिपीट कैसे हो, यही मेरा प्रयास रहेगा। कांग्रेस अध्यक्ष बनने के सवाल पर गहलोत ने कहा कि यह लंबे अरसे से मीडिया ने चला रखा है। फैसला क्या होगा, क्या नहीं होगा, किसी को नहीं मालूम है। मीडिया अपने-अपने हिसाब से स्टोरी देता रहता है, उसका मैं क्या कर सकता हूं? जब तक ऑफिशियली कोई फैसला नहीं हो तब तक हम लोग कोई टिप्पणी नहीं कर सकते।

स्वच्छ भारत के सपने को साकार कर रहे पीएम : स्वतंत्रदेव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। अपने तीन दिवसीय प्रवास पर वाराणसी आए जलशक्ति मंत्री व वाराणसी मंडल के प्रभारी मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने बुधवार को भाजपा व नगर निगम के संयुक्त तत्वावधान में चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान की अगुवाई की।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने का बीड़ा उठाया है। 2014 में प्रधानमंत्री बनने के पश्चात काशी से ही नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की थी और स्वयं झाड़ू लगाकर जनमानस को यह संदेश दिया कि स्वच्छता हमारी पहली प्राथमिकता है। जनता ने भी पीएम मोदी द्वारा चलाए गए इस स्वच्छता अभियान को सराहा और इस अभियान में बढ-चढ़कर अपनी भागीदारी निभाई।

बिहार विधान सभा के नेता प्रतिपक्ष होंगे विजय सिन्हा

» विधान परिषद में सम्राट चौधरी करेंगे भाजपा का नेतृत्व

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। विधान सभा अध्यक्ष पद से इस्तीफा देते ही विजय सिन्हा को विधान मंडल दल का नेता घोषित कर भाजपा ने बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी। इसके साथ ही विधान परिषद में पार्टी ने पूर्व मंत्री सम्राट चौधरी को नेता घोषित किया है। भाजपा की ओर से इसकी जानकारी बुधवार को विधान सभा और विधान परिषद कार्यालय को दे दी गई।

विधान सभा उपाध्यक्ष महेश्वर हजारी ने बताया कि विजय सिन्हा को नेता विरोधी दल के रूप में मान्यता दे दी गई है। विपक्ष की भूमिका में पहुंचने के बाद विजय सिन्हा और सम्राट चौधरी को सदन में प्रतिनिधित्व देकर भाजपा ने बड़ा संदेश दिया है। पार्टी के इस पहल को सर्व समाज को साधने का प्रयास माना जा रहा है। विजय सिन्हा सवर्ण समाज और सम्राट चौधरी अति पिछड़ा वर्ग से आते हैं। भाजपा ने प्रदेश अध्यक्ष के पद पर पहले से पिछड़ा समाज के डा. संजय जायसवाल को बिठा रखा है।

जदयू विधायक भाजपा में शामिल

इटानगर। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भाजपा ने अरुणाचल प्रदेश में झटका दिया है। उनकी पार्टी के इकलौते विधायक को अपने पाले में कर लिया है। अरुणाचल प्रदेश में जेडीयू के एकमात्र विधायक टेची कासो ने बुधवार को सत्तारूढ़ भाजपा का दामन थाम लिया है। विधान सभा के उपाध्यक्ष टेसम पोंगटे ने ईटानगर विधायक के भाजपा में विलय के आवेदन को स्वीकार कर लिया। इसके साथ ही 60 सदस्यों वाली विधान सभा में भाजपा के 49 विधायक हो गए हैं। जेडीयू ने 2019 के विधान सभा चुनाव में अपने दम पर 15 सीटों पर कैंडिडेट उतारा था। उनमें से सात सीटों पर नीतीश कुमार की पार्टी को जीत मिली। अरुणाचल में जेडीयू भाजपा के बाद दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। हालांकि नीतीश के छह विधायकों वे पाला बदलते हुए भाजपा का दामन थाम लिया था।

जांच एजेंसियां संभालेंगी लोकतंत्र की लाठी!

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सीबीआई ने केंद्रीय रेल मंत्री के रूप में लालू प्रसाद के कार्यकाल के दौरान हुए जमीन के बदले नौकरी संबंधी कथित घोटाले को लेकर बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कई नेताओं के परिसरों पर छापेमारी की। यह छापेमारी ऐसे समय में की गयी जब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधान सभा में विश्वास मत हासिल किया। ऐसे में सवाल उठता हैं कि यह छापेमारी क्यूं? क्या लोकतंत्र की लाठी अब एजेंसियाँ संभालेंगी। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार सतीश के सिंह, अभिषेक कुमार, धीरेंद्र कुमार, अभिषेक मिश्रा, विवेक अग्निहोत्री, तुलसीदास भोईटे, ऋषि मिश्रा और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

धीरेंद्र कुमार ने कहा, ईडी, सीबीआई व किसी अन्य एजेंसी की रेड पड़ने से संदेश यही जाता है कि समाज का शुद्धिकरण हो रहा है लेकिन परेशानी तब होती है जब भ्रष्टाचारी सिर्फ विपक्ष में ही खोजा जाता है। बिहार में आंदोलन शुरू है। छापेमारी के दौरान समर्थक नीतीश के जिंदाबाद के नारे लगाते रहे।

अभिषेक मिश्रा ने कहा, जो खेल दरअसल नीतीश ने बीजेपी के साथ खेला है, वह अभी खत्म नहीं हुआ है। आरजेडी के नेताओं को पहले से पता था कि सीबीआई की छापेमारी हो सकती है। जिन नेताओं के घर छापेमारी हुई है, वे लालू के करीबी हैं। बहुत से लोग सीबीआई की चपेट में है। बिहार में खेला अभी शुरू हुआ है। अभिषेक कुमार ने कहा, नीतीश कुमार जब भी गठबंधन छोड़ते हैं, उसके बाद वे उस पर तीखा हमला करते हैं। राजनीतिक पार्टी में सभी यही करते हैं, यह राजनीतिक परंपरा है। नीतीश ने आठवीं बार नहीं, पांचवीं बार विश्वासमत हासिल किया है। मौजूदा दौर में नीतीश की अहमियत जिसके साथ जुड़ जाती है, उसकी लोकसभा सीटें बढ़ जाती है। विवेक अग्निहोत्री ने कहा, छापे भी पड़ेंगे, राजनीति भी होगी। नीतीश की छवि किसी भी मामले में नरेंद्र मोदी से कम नहीं है, ईमानदार तो हैं नीतीश। दिल्ली में मनीष सिसौदिया के यहां भी छापे पड़ रहे मगर लोगों की अवधारणा मजबूत है कि वे ईमानदार है। छापे पड़ना कोई बड़ी बात नहीं। सतीश के सिंह ने कहा कि जांच एजेंसियों के छापे का जो चरित्र है इस बार वे सही भी छापे हो मगर जो माहौल चल रहा है। वह ठीक नहीं। हर छापे के ऊपर ठप्पा लग गया है कि ये एकतरफा होता है। क्रमबद्ध होता है। एक इशारे पर होता है। इससे एक विश्वसनीयता का प्रश्न खड़ा हो गया है। नीतीश का आक्रामक हमला कि 24 में भाजपा सरकार गिराएंगे ऐसा हमला बीजेपी पर पहले कभी नहीं हुआ। तुलसीदास भोईटे और ऋषि मिश्रा भी परिचर्चा में शामिल हुए।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

सरकार हमारी तो डर काहे का, मंत्री के भाई का जलवा

खुलेआम अवैध निर्माण जारी एलडीए की नोटिस ठेंगे पर | प्राधिकरण के अफसरों की साख दांव पर, हाथ डालने से बच रहे हैं

□□□ चेतन गुप्ता

लखनऊ। एक अजीब सा खेल चल रहा है लखनऊ विकास प्राधिकरण में, दिखावे के लिए रोजाना अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई होती है। कहीं पर बुलडोजर गरजता है तो कहीं पर भारी भरकम इमारतों को सील कर दिया जाता है। लखनऊ में चौतरफा यह अभियान चल रहा है लेकिन हकीकत की बात करें तो एलडीए अधिकारी चेहरा देखकर कार्रवाई कर रहे हैं। प्रभावशाली लोगों के अवैध निर्माणों पर रोकथाम नहीं लग पा रही है। न प्राधिकरण के अधिकारी पंगा लेना चाहते और न ही लखनऊ पुलिस। अब जब मामला योगी सरकार के मंत्री के परिवार से जुड़ा हो तो ऐसे में भला कौन हाथ डालेगा।

एक्सक्लूसिव

गैरों पर सितम अपनों पर रहम

जोन एक में गोसाईगंज में एक अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त और गोमतीनगर में अवैध निर्माण सील किया गया। लेकिन मंत्री के भाई व पूर्व विधायक के अवैध निर्माण पर कोई एक्शन नहीं लिया गया जबकि नक्शा ना दिखाए जाने पर पूर्व में नोटिस जारी कर काम रोकने के आदेश दिए गए थे और गोमती नगर विस्तार थाना पुलिस को बलपूर्वक काम रोकने का निर्देश था। बावजूद इसके उस साइट पर धड़ल्ले से काम जारी है। प्रवर्तन जोन-1 के जोनल अधिकारी अरूण कुमार सिंह ने बताया कि उत्सव विक्रम सिंह पुत्र सुरेश सिंह द्वारा थाना-गोसाईगंज क्षेत्र के बक्कास में लगभग 4.50 बीघा क्षेत्रफल के भूखण्ड पर अवैध प्लाटिंग किये जाने पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई। गोमती नगर के विपुल खण्ड में अशोक कुमार व अन्य द्वारा भूखण्ड संख्या-6/4 पर अवैध निर्माण किया जा रहा था। जिसको सील किया गया। लेकिन मंत्री के भाई और पूर्व विधायक के अवैध निर्माण पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई इस सवाल का जवाब उनके पास नहीं था।

योगी सरकार पार्ट-2 में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रायबरेली से एमएलसी दिनेश प्रताप सिंह के सगे भाई हरचंदपुर सीट से विधायक रहे राकेश सिंह से जुड़ा मामला है। एलडीए के जोन 1 के अंतर्गत आने वाले गोमती नगर विस्तार क्षेत्र में ग्वारी तिराहे क्रॉसिंग के पास चाय वाला डॉट कॉम के ठीक सामने पूर्व विधायक जी का एक प्रोजेक्ट निर्माणाधीन है। माननीय पहले कांग्रेस से विधायक रहे लेकिन भाजपा में शामिल होने के बाद इस बार चुनाव हार गए हैं। सगे बड़े भाई स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री हैं तो सम्मान में कोई कमी नहीं है। एलडीए में प्रवर्तन विभाग के जेई सुभाष शर्मा पिछले दिनों जब मौके पर गए तो साइट पर पिलर खड़े किए जा रहे थे। नक्शा न दिखा पाने पर काम बंद करा दिया गया। जोन 1 के ओएसडी अरुण कुमार सिंह ने गोमती नगर विस्तार थानाध्यक्ष को 25 जुलाई को पत्र लिखकर बलपूर्वक निर्माण कार्य रोकने के लिए कहा।

मामला मंत्री-पूर्व विधायक से जुड़ा है तो पुलिस ने काम रोकना मुनासिब न समझा और सत्ता के भौकाल में काम लगातार जारी है। शिकायत मिलने पर 4 पीएम की पड़ताल में मौके पर काम होता पाया गया। निर्माण कार्य स्थल पर राहुल सोनी नाम के व्यक्ति का नंबर मिला जो खुद को साइट का सुपरवाइजर बता रहा था। पूछने पर उसने बताया कि विधायकजी का निर्माण कार्य है होटल बन रहा है और उनके सगे बड़े भाई योगी सरकार में राज्य मंत्री हैं। एलडीए के अधिकारियों को बता दिया गया है । वहां से ग्रीन सिग्नल मिलने के बाद ही काम शुरू हुआ है। अब कोई भी पचड़ा नहीं है। साइट के एलडीए के जेई प्रवर्तन सुभाष शर्मा ने कहा कि काम रुकवा दिया गया था। पुलिस को भी पत्र लिख दिया गया है। अब पुलिस की जिम्मेदारी काम रोकने की है। इस मामले में गोमती नगर विस्तार थानाध्यक्ष व सीओ गोमतीनगर से कई बार बात करने कोशिश की गई लेकिन बात नहीं हो सकी। सवाल यह उठता है कि आखिरकार सत्ता के रसूख के आगे जिम्मेदार नतमस्तक क्यों है? जो कार्रवाई एक आम आदमी के खिलाफ हो सकती है, वो कार्रवाई इन मठाधीशों के खिलाफ क्यों नहीं?

होटल नहीं, घर बना रहा हूं। नक्शे के लिए आवेदन कर पैसा भी जमा कर दिया है। नोटिस मिला था लेकिन जमीन के अर्जन मुक्त किए जाने का प्रस्ताव शासन स्तर पर लंबित है जिसके कारण एलडीए कार्रवाई नहीं कर सकता है।
– राकेश सिंह, पूर्व विधायक, अवैध निर्माणकर्ता

होटल निर्माण के बारे में कोई जानकारी नहीं है। मेरा किसी प्रकार का अफसरों पर दबाव नहीं है। अगर गलत निर्माण कार्य हो रहा है तो कार्रवाई सबके लिए एक बराबर है। अपने भाई से बात करके पूरी स्थिति स्पष्ट करता हूं। – दिनेश प्रताप सिंह, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

मेरे संज्ञान में ऐसा कोई मामला नहीं है, न ही मेरे ऊपर किसी प्रकार का कोई दबाव। काम रोको नोटिस जारी होने के बाद भी कैसे अवैध निर्माण हो रहा है। कार्रवाई सबके लिए सामान है। व्यक्तिगत रूप से इस पूरे प्रकरण को देखता हूं।
– डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी, उपाध्यक्ष, एलडीए

बेतवा नदी के टापू पर फंसे किसानों के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

झांसी। पारीछा बांध में सात दिनों से टापू में फंसे चार किसानों को रेस्क्यू करने के लिए जिला प्रशासन एक्टिव हो गया है। सात दिनों से भूखे प्यासे टापू फंसे किसानों को निकालने के लिए अब हेलीकॉप्टर का सहारा लिया गया है। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने बताया कि टापू पर फंसे 4 लोगों को सुरक्षित निकाला जाएगा, उन्हें एयरलिफ्ट करने के लिए हेलीकॉप्टर की व्यवस्था की गई है।

फिलहाल आर्मी के हेलीकॉप्टर के माध्यम से उनके लिए व्यवस्था की जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। बुधवार देर रात एसडीआरएफ टीम आई उसने टापू पर फंसे 4 ग्रामीणों को रेस्क्यू करने का प्रयास किया, परंतु वह सफल नहीं हो सकी। अब जल्द ही एनडीआरएफ की टीम मुरैना से पहुंचने वाली है, जो उक्त स्थानीय ग्रामीणों का सफल रेस्क्यू करेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि कोई देरी नहीं हुई है। जो लोग फंसे हैं वे वहीं रहते हैं। 10 दिन पहले सभी लोगों को निकाला गया था। ये लोग नहीं निकले। उन्होंने बताया कि कल उनका राशन खत्म हो गया।

हेमंत सोरेन की विधानसभा सदस्यता पर खतरा

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चुनाव आयोग ने राज्यपाल को सौंपी रिपोर्ट

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की विधानसभा सदस्यता रद होगी या उन्हें क्लीनचिट मिल जाएगी? इस बात का खुलासा जल्द हो सकता है। जानकारी मिली है कि भारत निर्वाचन आयोग ने राज्यपाल रमेश बैस को हेमंत सोरेन के आफिस आफ प्राफिट मामले में अपनी अनुशंसा भेज दी है। राज्यपाल रमेश बैस दिल्ली में हैं।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने ट्वीट कर लिखा है कि आरएसएस के संस्कारों ने मुझे बड़ा किया। मेरा परिवार इमरजेंसी में जेल गया। भाजपा जैसी पार्टी ने मेरे जैसे छोटे कार्यकर्ता को सांसद बनाया, जिसके नेतृत्वकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमें गर्व है। मैंने पहले ही घोषणा थी कि अगस्त पार नहीं होगा, वहीं हुआ, भारत निर्वाचन आयोग का पत्र राज्यपाल रमेश बैस को पहुंच गया है। मालूम हो कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर आरोप है कि उन्होंने विभागीय मंत्री रहते हुए अपने नाम से खनन लीज आवंटित करा लिया है। यह खुलासा भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने किया था। इसके बाद भाजपा ने इस संबंध में राज्यपाल रमेश बैस से शिकायत की थी।

सीएम ने लखनऊ-कानपुर को दिया इलेक्ट्रिक बसों का तोहफा, कहा, कम होगा प्रदूषण

» राजधानी के आठ रूटों पर चलेंगी बसें

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महानगरों में प्रदूषण को कम करने के लिए योगी सरकार नगर बस सेवा के बेड़े से डीजल बसों को कम कर इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ा रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज प्रदेश को 42 इलेक्ट्रिक बसों का तोहफा दिया। इनमें 34 बस लखनऊ तथा आठ कानपुर में चलेंगी। मुख्यमंत्री ने अपने सरकारी आवास से हरी झंडी दिखाकर इन बसों को रवाना किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में पब्लिक ट्रांसपोर्ट को प्रदूषण से मुक्त करना समय की मांग है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में तेजी के साथ बेहतरीन पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधा उपलब्ध कराने में हमें सफलता प्राप्त हुई है। आज प्रदेश के दो सबसे बड़े महानगरों लखनऊ और कानपुर के लिए 42 इलेक्ट्रिक बसें दी जा रही हैं। इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से शहरों के प्रदूषण में भी कमी आएगी।

15 दिन बाद राजू श्रीवास्तव को आया होश

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मशहूर कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव के स्वास्थ्य से जुड़ी अच्छी खबर है। राजू श्रीवास्तव को गुरुवार सुबह होश आ गया है वह पिछले 15 दिन से दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती हैं। उनके निजी सचिव गर्वित नारंग ने बताया कि एम्स दिल्ली में डॉक्टरों द्वारा उनकी निगरानी की जा रही है। उनके स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार हो रहा है। बताते चलें कि सीने में दर्द और जिम में वर्कआउट के दौरान गिरने के बाद 10 अगस्त को उन्हें एम्स दिल्ली में भर्ती कराया गया था। राजू के होश में आने की बात सुनकर उनके चाहने वालों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।